BPYC-131

स्नातक

सत्रीय कार्य 2022-23

BPYC–131

भारतीय दर्शन

अंतःविषयक एवं पराविषयक अध्ययन विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-68

प्रिय विद्यार्थी,

यह सत्रीय छह क्रेडिट के बीपीवाईसी-131 भारतीय दर्शन का अध्यापक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है। इस सत्रीय कार्य के अधिकतम अंक 100 हैं और इसका भारांक 30 प्रतिशत है।

इस सत्रीय कार्य में दीर्घौत्तरीय, लघु उत्तरीय और लघु टिप्पणी वाले प्रश्न हैं। सत्रीय कार्य को आरम्भ करने के पहले पाठ्यक्रम पुस्तिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि सभी प्रश्नों के उत्तर स्वयं अपने शब्दों में लिखें। प्रश्नों के उत्तर खण्ड के लिए निर्धारित शब्द-सीमा में होना चाहिए। प्रश्नोत्तर का यह अभ्यास आपकी लेखन क्षमता में सुधार करके अन्तिम मुख्य परीक्षा के लिए आपको तैयार करेगा।

सत्रीय कार्य को निर्धारित समय में जमा करने पर ही आपका अभ्यर्थन स्वीकृत होगा। सत्रीय कार्य को पूरा करने की समय-सीमा निम्नवत् है:-

सत्र	**अन्तिम तिथि**	**किसे जमा किया जाए**
जुलाई, 2022 सत्र	अप्रैल 30, 2023	अध्ययन केन्द्र के समन्वयक को
जनवरी, 2023	अक्टूबर 31, 2023	अध्ययन केन्द्र के समन्वयक को

सत्रीय कार्य को जमा करने की पावती को अध्ययन-केन्द्र से अवश्य लें और पावती को सम्भालकर रखें। सत्रीय कार्य की प्रतिलिपि को भी सुरक्षित रखें।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन-केन्द्र आपके सत्रीय कार्य को वापिस कर देगा। इस हेतु अध्ययन-केन्द्र से सुदृढ़ प्रार्थना करें। अध्ययन-केन्द्र आपके प्राप्तांक को विद्यार्थी मूल्यांकन केन्द्र, इग्नू नई दिल्ली को भेजेगा।

शुभकामनाओं सहित!

भारतीय दर्शन

(बीपीवाईसी-131)

कोर्स कोड: बीपीवाईसी-131

सत्रीयकार्य कोड: BPYC-131/ASST/TMA/2022-23

अधिकतम अंक: 100

नोट: 1) सभी प्रश्न आवश्यक हैं।

2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

3) प्रश्न क्रमांक 1 एवं 2 के उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. व्याख्या कीजिए, 10+10-= 20

अ) नागार्जुन की शून्यता की अवधारणा

आ) न्याय दर्शन का असत्कार्यवाद

अथवा

न्याय दर्शन के अनुमान के सिद्धान्त पर टिप्पणी लिखिए। चार्वाक अनुमान का खण्डन कैसे करता है? 20

2. शंकर की अविद्या की अवधारणा और रामानुज द्वारा अविद्या/माया की अवधारणा का खण्डन कीजिए। 20

अथवा

टिप्पणी लिखिए, 10+10= 20

अ) तत्त्वमसि का द्वितीयक निहितार्थ

आ) मध्वाचार्य की मोक्ष की अवधारणा

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 250-250 शब्दों में लिखिए। 10*2= 20

अ) अनेकान्तवाद की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 10

आ) वैशेषिक दर्शन में सृष्टि के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 10

इ) प्रतीत्यसमुत्पाद की बौद्ध अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 10

ई) वैशेषिक दर्शन में स्थापित अभाव के विविध प्रकारों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 150-150 शब्दों में दीजिए।4*5= 20

अ) अष्टांग योग पर टिप्पणी लिखिए। 5

आ) पुरुष की सत्ता को सिद्ध करने हेतु सांख्य दर्शन ने क्या युक्तियां प्रस्तुत कीं? 5

इ) कठोपनिषद् का केन्द्रीय विषय क्या है? 5

ई) रामानुज के ईश्वर विचार पर टिप्पणी लिखिए। 5

उ) न्याय और बौद्ध दर्शनों के सत् के विचार पर तुलना कीजिए। 5

ऊ) शंकर के दर्शन में अध्यास का महत्व क्या है? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) श्रुति 4

आ) वैशेषिक दर्शन में सामान्य 4

इ) अपरा विद्या 4

ई) पाशु 4

उ) सामान्यलक्षण 4

ऊ) अपौरुषेयता 4

ए) सम्प्रज्ञात समाधि 4

ऐ) उपमान 4